पंतनगर विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने किसानों को सिखाई उन्नत कृषि तकनीकें और योजनाएं

पन्तनगर। 5 जून 2025। विकसित भारत संकल्प यात्रा 2025 के अंतर्गत चल रहे विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत पंतनगर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने खटीमा एवं नानकमत्ता ब्लॉक के तीन गांव चंदेली, बनूसा और खेराना में किसानों और ग्रामीणों के साथ संवाद किया। कार्यक्रम का आयोजन पंतनगर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जितेन्द्र क्वात्रा के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से डा. अर्पिता शर्मा कांडपाल, सहायक प्राध्यापक, कृषि संचार विभाग; डा. मीना अग्निहोत्री, प्राध्यापक, कीट विज्ञान विभाग तथा विभागीय समन्वय में श्री नरपत सिंह, श्री कुंदन सिंह मनोला उपस्थित रहे। डा. अर्पिता शर्मा कांडपाल ने ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी पर बल देते हुए कहा कि यदि महिलाएं कृषि में उद्य मिता के साथ आगे आएं तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि मोबाइल ऐप, सोशल मीडिया और सामुदायिक रेडियो जैसे संचार माध्यमों के उपयोग से किसानों को जागरूक किया जा सकता है और उनके उत्पादों को बेहतर बाजार मिल सकता है। डा. मीना अग्निहोत्री ने कहा कि जैविक कीट नियंत्रण की विधियां किसानों के लिए सस्ती, सरल और पर्यावरण के अनुकूल हैं तथा रासायनिक कीटनाशकों की जगह जैविक उपाय अपनाकर वे उत्पादन की गुणवत्ता और भूमि की उर्वरता दोनों बनाए रख सकते हैं। विभागीय अधिकारियों ने अपने–अपने विभाग से संबंधित जानकारी प्रदान की और वहां संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी किसानों को दी। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने वैज्ञानिकों द्वारा दी गई जानकारी की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से उन्हें नई तकनीकों को अपनाने का आत्मविश्वास मिलता है। किसानों ने पंतनगर विश्वविद्यालय की टीम का आभार व्यक्त किया और अनुरोध किया कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से होता रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन विश्वविद्यालय की टीम द्वारा किया गया और अंत में सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।